श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

महिला एवं बाल विकास मंत्री

2 फरवरी 1970 को जन्मी श्रीमती अन्नपूर्णा देवी 1998, 2000 और 2005 में बिहार विधानसभा के लिए चुनी गईं। उन्होंने वर्ष 2000 में बिहार सरकार में खान और भूविज्ञान मंत्रालय में राज्य मंत्री और वर्ष 2012-2014 के दौरान झारखंड सरकार में सिंचाई, महिला एवं बाल कल्याण, पंजीकरण मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री का पदभार संभाला। मई 2019 में वे 17वीं लोकसभा के लिए संसद सदस्य चुनी गईं। उन्होंने 07 जुलाई, 2021 से शिक्षा मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री का पदभार संभाला। वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मद्देनजर आरटीई (शिक्षा का अधिकार) में संशोधन से संबंधित विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष रहीं। वर्ष 2024 के आम चुनावों में, वे झारखंड के कोडरमा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए फिर से चुनी गई हैं।

उन्होंने वर्ष 2005-2009 के दौरान झारखंड विधानसभा में महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष और 13 सितंबर, 2019 से 7 जुलाई 2021 के दौरान उद्योग संबंधी स्थायी समिति की सदस्य के रूप में भी कार्य किया। वे 9 अक्टूबर 2019 से 7 जुलाई 2021 के दौरान महिला सशक्तिकरण समिति की सदस्य तथा विद्युत मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की सदस्य भी रहीं।

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी रांची विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर हैं और झारखंड के कोडरमा जिले के करियाबार गांव की निवासी हैं।

****

श्रीमती सावित्री ठाकुर

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री

श्रीमती सावित्री ठाकुर का जन्म 1 जून,1978 को मध्य प्रदेश के धार जिले के कालीकराय में हुआ था। वे वर्ष 2014 से संसद सदस्य (लोकसभा) के रूप में मध्य प्रदेश के धार निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इससे पहले वे वर्ष 2004 से 2009 तक जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी हैं, जहां उन्होंने स्थानीय स्वशासन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संसद सदस्य के रूप में श्रीमती ठाकुर महिला सशक्तीकरण समिति, सामाजिक सुरक्षा स्कीम से संबंधित समिति, उद्योग से संबंधी स्थायी समिति और रेल मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य सहित विभिन्न प्रमुख समितियों की सदस्य रह चुकी हैं।

श्रीमती ठाकुर की सामाजिक कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता आदिवासी गांवों में महिलाओं के सशक्तीकरण के उनके प्रयासों में परिलक्षित होती है। उन्होंने आदिवासी महिलाओं के लिए रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कर्यक्रम आयोजित किए, स्वयं सहायता समूह बनाए और उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त बनाकर उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्रीमती सावित्री ठाकुर का विवाह श्री तुकाराम ठाकुर के साथ हुआ है, उनके दो पुत्र हैं। उन्होंने हायर सेकेंडरी तक की शिक्षा प्राप्त की है।